कालीन निर्यात संवर्धन परिषद्
CARPET EXPORT PROMOTION COUNCIL
(Set up by Ministry of Textiles, Govt. of India)
Working Office : 2nd Floor, Rajiv Gandhi Handicrafts Bhawan, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi – 110001
Phone : +91-11-233 647 16, 233 64717
E-mail : info@cepc.co.in, **Website :** www.cepc.co.in
Regd. Office : Shreejee Complex, Shop No. T-3, Sharma Market, Harola, Noida (U.P.)
Website of Ministry of Textiles : www.texmin.nic.in

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

10 दिसंबर, 2020

भारत सरकार ने MEIS योजना को RoDTEP के द्वारा बदलने का प्रस्ताव दिया है तथा इसी के तहत दर निर्धारण को अंतिम रूप देने के लिए श्री जी के पिल्लई की अध्यक्षता में RoDTEP समिति का गठन किया है।

आज, दिनांक 10 दिसंबर, 2020 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से श्री जीके पिल्लई, अध्यक्ष, RoDTEP समिति की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक बुलाई जिसमे श्री गौतम रे, श्री वाई जी परांडे, सदस्य RoDTEP समिति, श्री नितीश सिन्हा, संयुक्त सचिव, (ड्रा बैक), वित्त मंत्रालय और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अन्य निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

श्री सिद्ध नाथ सिंह, अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, श्री संजय कुमार, अधिशासी निदेशक, एवं प्रमुख सदस्य-निर्यातक - श्री ललित गोयल, अध्यक्ष, पानीपत एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन और मैसर्स रिवेरा एक्सपोर्ट्स, पानीपत, श्री अशोक गुप्ता, मैसर्स ए.बी.सी. लिमिटेड, पानीपत, श्री अतुल आनंद, मेसर्स ओबेटी प्रा॰ लिमिटेड, मिर्ज़ापुर, सीईपीसी के परामर्शदाता - श्री एन.के. चोपड़ा, प्रबंध निदेशक, मेसर्स आईसीसीएच ग्लोबल कंसल्टिंग प्रा॰ लिमिटेड ने बैठक में भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग का प्रतिनिधित्व किया।

कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष श्री सिद्ध नाथ सिंह ने समिति को सूचित किया कि परिषद ने पहले ही निर्धारित प्रारूप में आवश्यक आकडे जमा कर दिये है और विभाग द्वारा मांगी गई स्पष्टीकरण को भी प्रस्तुत कर दिया है। श्री सिद्ध नाथ सिंह ने भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का अनुरोध किया क्योंकि यह ग्रामीण आधारित कुटीर उद्योग क्षेत्र है जो अत्यधिक श्रम गहन हैं जिसमे ज्यादातर असंगठित क्षेत्र तथा लाखों गरीब कारीगरों की आजीविका सीधे इस उद्योग के साथ जुड़ी है। श्री सिंह ने अनुरोध किया की RoDTEP की दर वर्तमान MEIS दर से अधिक होनी चाहिए जिससे उद्योग की स्थिति मे सुधार लाया जा सके ।

RoDTEP समिति के अध्यक्ष श्री जी.के. पिल्लई ने उल्लेख किया कि वे भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग को जानते हैं और यह उद्योग उनके दिल के बहुत करीब हैं और निश्चित रूप से इस पर विशेष ध्यान देंगे । श्री जी.के. पिल्लई ने अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद से भदोही-मिर्जापुर-वाराणसी कालीन क्लस्टर की सड़कों कि स्थिति के बारे मे पूछा जिस पर श्री सिद्ध नाथ सिंह ने बताया कि स्थिति मे सुधार हैं और उम्मीद हैं कि जल्द ही सड़के ठीक हो जाएंगी । RoDTEP समिति के अधिकारियों के अनुसार, समिति फरवरी, 2021 तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी । इसलिए, यह उम्मीद की जाती हैं कि MEIS योजना को 31 मार्च, 2021 तक बढ़ाया जाएगा।

अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वे परिषद द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी आंकढ़ो की जांच कर रहे हैं और यदि आवश्यक होगा तो वे दरों को अंतिम रूप देने से पहले जरूरी आंकड़े ले लेंगे ।